राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • बृहस्पतिवार • 4 मार्च • 2021

संक्षिप्त खबरें

अब 22 मार्च को होगा सीएसए का दीक्षांत समारोह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 8 मार्च के स्थान पर अब 22 मार्च को होगा। विवि के कुलसचिव डॉ. एसके गुप्ता ने बताया कि दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल करेंगी। समारोह में नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार को मानद उपाधि से विभूषित किया जाएगा। प्रदेश के कृषि एवं कृषि शिक्षा मंत्री सूर्य प्रताप शाही समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे।

सीएसए का दीक्षांत 22 को, डॉ. राजीव को मिलेगी मानद उपाधि

कानपुर। सीएसए का 22वां दीक्षांत अब 22 मार्च को होगा। समारोह की अध्यक्षता प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। समारोह में नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार को मानद उपाधि से भी सम्मानित किया जाएगा। पहले यह 8 मार्च को प्रस्तावित था। सीएसए विवि के दीक्षांत समारोह की तिथि में राजभवन से बदलाव किया गया है। समारोह अब 13 दिन बाद 22 मार्च को होगा। दीक्षांत में अब मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही हिस्सा लेंगे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि दीक्षांत की पूरी तैयारी हो गई है। पदक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची तैयार है। छात्र व शिक्षकों के लिए ड्रेस कोड रखने की भी तैयारी है।

तीन दिन में तैयार करें मेडल की लिस्ट : तीन दिन में मेडल की लिस्ट तैयार कर लें। सोमवार तक वेबसाइट पर पदक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की सूची जारी कर आपत्ति मांग लें। यह बात विवि के कुलपति प्रो. डीआर सिंह ने कही। दीक्षांत में कार्य करने वाली सभी 20 कमेटियों को सक्रिय कर दिया गया है। 22 मार्च को ही सीएसए का दीक्षांत है। सुबह सीएसए का, और दोपहर को सीएसजेएमयू का दीक्षांत होगा।

अमर उजाला

बृहस्पतिवार • 04.03.2021 05

kanpur.amarujala.com

अब सीएसए का दीक्षांत समारोह 22 को होगा

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) का 22वां दीक्षांत समारोह अब 22 मार्च को होगा। पहले यह आठ मार्च को होना था।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार होंगे मुख्य अतिथि

कुलसचिव डॉ. सर्वेंद्र गुप्ता ने बताया कि मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार होंगे। उनको विवि मानद उपाधि से सम्मानित करेगा। विशिष्ट अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही होंगे। दीक्षांत समारोह का मिनट टू मिनट कार्यक्रम विवि प्रशासन ने राजभवन भेज दिया है। कुलसचिव डॉ. सर्वेंद्र ने बताया कि सुबह 10:30 से 12:15 तक कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। (संवाद)

पाढ़ए अखबार हिंदी दैनिक 0403_210304_004156 - Read-only

जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, गुरुवार, 04 मार्च, 2021 वर्ष : 12, अंक : 141, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

'मृदा परीक्षण का महत्व' विषय पर दिया एक दिवसीय प्रशिक्षण

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह के निर्देश के क्रम में गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में बुधवार को मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग द्वारा भरपूर फसल उत्पादन के लिए मृदा परीक्षण का महत्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि वर्तमान में बढ़ती जनसंख्या और कम जोत होने से अधिक उत्पादन के लिए मृदा परीक्षण की आवश्यकता है तथा टिकाऊ खेती के लिए संतुलित एवं सीमित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने किसानों को मृदा नमूना लेने की विधि तथा जैविक खाद, हरी खाद, गोबर की खाद के प्रयोग के बारे में बताया। उन्होंने दलहनी फसलों को फसल चक्र में समाहित करने की बात कही जिससे मृदा की उर्वरता कम न हो। इस अवसर पर प्रोफेसर अनिल सचान, डॉक्टर देवेंद्र सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक एवं किसान मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार

विशाल प्रदेश

RNI No. UPHIN/2007/23059

प्रधान सम्पादक- मोहम्मद नासिर

कानपुर का लोकप्रिय समाचार पत्र

वर्ष : 15 | अंक : 44 | गुरुवार 04 मार्च 2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग द्वारा भरपूर फसल उत्पादन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

शाहिद शेख सिद्दीकी

कानपुर(विशाल प्रदेश) चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग द्वारा भरपूर फसल उत्पादन हेतु मृदा परीक्षण का महत्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ती जनसंख्या एवं कम जोत होने से अधिक उत्पादन हेतु वर्तमान में मृदा परीक्षण की महती आवश्यकता है उन्होंने टिकाऊ खेती हेतु संतुलित एवं सीमित मात्रा में उर्वरकों के प्रयोग पर बल दिया साथ ही साथ किसानों को जैविक खाद, हरी खाद,गोबर की खाद के प्रयोग पर विस्तृत प्रकाश डाला उन्होंने किसानों को मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में भी प्रकाश डाला है साथ ही किसानों को प्रदर्शन द्वारा खुरपी, फावड़ा एवं अगर से नमूना एकत्र करने की विधि सिखाई इस अवसर पर दलहनी फसलों को फसल चक्र में समाहित करने पर भी बल दिया गया जिससे मृदा उर्वरता कम न हो इस अवसर पर किसानों के मृदा संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव दिए गए इस अवसर पर प्रोफेसर अनिल सचान, डॉक्टर देवेंद्र सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक एवं किसान उपस्थित रहे